



## वशिव आर्दरभूमिदिविस और दो नए रामसर स्थल

### प्रलिमिस के लयि:

वशिव आर्दरभूमिदिविस, भारत में आर्दरभूमिस्थल, रामसर स्थल ।

### मेन्स के लयि:

आर्दरभूमिका महत्त्व और संबधति खतरे ।

## चर्चा में क्यों?

[वशिव आर्दरभूमिदिविस](#) प्रतविर्ष 02 फरवरी, 2022 को दुनया भर में आयोजति कयिा जाता है ।

- इस अवसर पर अंतरकिष अनुप्रयोग केंद्र (SAC - इसरो का एक प्रमुख केंद्र) द्वारा 'नेशनल वेटलैंड डेकाडल चेंज एटलस' तैयार कयिा गया था ।
- इससे संबधति मूल एटलस SAC द्वारा वर्ष 2011 में जारी कयिा गया था और पछिले कुछ वर्षों में सभी राज्य सरकारों द्वारा भी अपनी योजना प्रकरयिाओं में वयापक रूप से उपयोग कयिा गया है ।
- इस अवसर पर दो नए रामसर स्थलों (अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की आर्दरभूमि)- गुजरात में खजिड़यिा वन्यजीव अभयारण्य और उत्तर प्रदेश में बखरिा वन्यजीव अभयारण्य की भी घोषणा की गई ।

## वशिव आर्दरभूमिदिविस:

- यह दिवस 02 फरवरी, 1971 को ईरानी शहर रामसर में 'आर्दरभूमिपर कन्वेंशन' को अपनाणे की तारीख को चहिनति करता है ।
  - रामसर कन्वेंशन एक अंतर-सरकारी संधि है जो आर्दरभूमि एवं उनके संसाधनों के संरक्षण तथा उचति उपयोग हेतु राष्ट्रीय कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लयिे रूपरेखा प्रदान करती है ।
  - रामसर सूची के अनुसार, सबसे अधिक रामसर स्थलों वाले देश यूनाइटेड किंगडम (175) और मेक्सिको (142) हैं । कन्वेंशन संरक्षण के दृष्टिकोण से बोलीवयिा का कषेत्रफल (148,000 वर्ग कमी) सबसे बड़ा है ।
- यह दिवस पहली बार वर्ष 1997 में मनाया गया था ।
- वर्ष 2022 के लयिे थीम: 'वेटलैंड एक्शन पॉर पीपल्स एंड नेचर ।'

## आर्दरभूमि तथा इसका महत्त्व:

- आर्दरभूमि:
  - [आर्दरभूमियाँ](#) पानी में स्थति मौसमी या सथायी पारस्थितिकि तंत्र हैं । इनमें [मैंगरोव](#), दलदल, नदयिाँ, झीलें, डेल्टा, बाढ़ के मैदान और बाढ़ के जंगल, चावल के खेत, [प्रवाल भित्तियाँ](#), समुद्री कषेत्र (6 मीटर से कम ऊँचे ज्वार वाले स्थान) के अलावा मानव नरिमति आर्दरभूमि जैसे- अपशषिट जल उपचार तालाब और जलाशय आदि शामिल होते हैं ।
- महत्त्व:
  - आर्दरभूमियाँ हमारे प्राकृतिक पर्यावरण का महत्त्वपूर्ण हसिसा हैं । ये **बाढ़ की घटनाओं में कमी लाती हैं, तटीय इलाकों की रक्षा करती हैं, साथ ही प्रदूषकों को अवशोषति कर पानी की गुणवत्ता में सुधार करती हैं ।**
  - आर्दरभूमि मानव और पृथ्वी के लयिे महत्त्वपूर्ण हैं । **1 बलियिन से अधिक लोग जीवन** यापन के लयिे उन पर नरिभर हैं और दुनया की **40% प्रजातियाँ आर्दरभूमि** में रहती हैं तथा प्रजनन करती हैं ।
  - ये भोजन, कच्चे माल, दवाओं के लयिे आनुवंशिकि संसाधनों और जलवदियुत के महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं ।
  - भूमिआधारति कार्बन का **30% पीटलैंड (एक प्रकार की आर्दरभूमि)** में संग्रहीत है ।
  - ये **परविहन, पर्यटन और लोगों के सांसकृतिकि एवं आध्यात्मिकि कल्याण** में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिताती हैं ।
  - कई आर्दरभूमियाँ प्राकृतिक सुंदरता के कषेत्र हैं और **आदवासी लोगों** के लयिे महत्त्वपूर्ण हैं ।

## आर्द्रभूमि से संबंधित खतरे:

- आर्द्रभूमियों पर गठति आईपीबीईएस (**जैव विविधता तथा पारस्थितिकी तंत्र सेवा पर अंतर-सरकारी वजिज्ञान नीति प्लेटफॉर्म**) के अनुसार, ये सबसे अधिक वकिसुबध पारस्थितिकी तंत्रों में शामिल हैं।
- आर्द्रभूमि मानव गतविधियों और ग्लोबल वार्मिंग के कारण जंगलों की तुलना में 3 गुना तेज़ी से समाप्त हो रही है।
- **युनेसको** के अनुसार, आर्द्रभूमि के अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न होने से विश्व के उन 40% वनस्पतियों और जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा जो इन आर्द्रभूमि क्षेत्रों में पाए जाते हैं या प्रजनन करते हैं।
- **प्रमुख खतरे:** कृषि, विकास, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन।

## भारत में आर्द्रभूमियों की स्थिति:

- भारत में लगभग 4.6% भूमि आर्द्रभूमि के रूप में है जो 15.26 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करती है।
  - यूपी में बखिरा वन्यजीव अभयारण्य (Bakhira Wildlife Sanctuary) मध्य एशियाई फ़्लाइवे की प्रजातियों को बड़ी संख्या में सर्दियों के मौसम में एक सुरक्षित आश्रय स्थल प्रदान करता है, जबकि गुजरात का खजिड़िया वन्यजीव अभयारण्य (**Khijadia Wildlife Sanctuary**) एक तटीय आर्द्रभूमि है जिसमें समृद्ध विविधता विद्यमान है, यह लुप्तप्राय और सुभेद्य प्रजातियों को एक सुरक्षित आवास प्रदान करती है।
- भारत में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा संकलित आकलन और राष्ट्रीय आर्द्रभूमि सूची के अनुसार, आर्द्रभूमि देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 4.63% है।
  - भारत में 19 प्रकार की आर्द्रभूमियाँ हैं।
  - आर्द्रभूमि के राज्य-वार वितरण में गुजरात शीर्ष पर है (राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 17.56% या देश के कुल आर्द्रभूमि क्षेत्रों का 22.7% एक लंबी तटरेखा के कारण)।
  - इसके बाद आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल का स्थान है।

## रामसर सूची का महत्त्व:

- यह एक ISO सर्टिफिकेशन की तरह है। किसी भी स्थल को इस सूची से हटाया भी जा सकता है यदि यह लगातार उनके मानकों को पूरा नहीं करता है। यह उस मूल्यवान वस्तु की तरह है जिसकी एक लागत तो है पर उस लागत का भुगतान तभी किया जा सकता है जब उस वस्तु की ब्रांड वैल्यू हो।
- रामसर टैग किसी भी स्थल की मज़बूत सुरक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है और अतिक्रमण के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है।
- पक्षियों की कई प्रजातियाँ प्रवेश के दौरान हिमालय क्षेत्र में जाने से बचना पसंद करती हैं और इसके बजाय गुजरात और राजस्थान के माध्यम से भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवेश करने के लिये अफगानिस्तान व पाकिस्तान से गुजरने वाले मार्ग का चयन करती हैं। इस प्रकार गुजरात कई अंतरराष्ट्रीय प्रवासी प्रजातियों जैसे- बतख, वेडर, प्लोवर, टर्न, गल आदि और शोरबर्ड के साथ-साथ शिकारी पक्षियों का पहला 'लैंडिंग पॉइंट' बन गया है।
- भारत में आर्द्रभूमि सर्दियों के दौरान प्रवासी पक्षियों के लिये चारागाह और वशिराम स्थल के रूप में कार्य करती है।
  - **प्रवासी वन्यजीव प्रजातियों के संरक्षण के लिये अभिसमय** के अनुसार, CAF (मध्य एशियाई फ़्लाइवे), जिसमें 30 देश शामिल हैं, 182 प्रवासी जलपक्षी प्रजातियों की कम से कम 279 आबादी को कवर करता है, जिसमें विश्व स्तर पर 29 संकटग्रस्त और नकिट-संकटग्रस्त प्रजातियाँ शामिल हैं।

स्रोत: पी.आई.बी.